

---

# Shri Satyaviratirtha Stutih

श्रीसत्यवीरतीर्थस्तुतिः

## Document Information

---

Text title : Satyaviratirtha Stutih

File name : satyavIratIrthastutiH.itx

Category : deities\_misc, gurudev, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : satyAtmatIrtha shrIpAda

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Latest update : December 29, 2021

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 29, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Satyaviratirtha Stutih

श्रीसत्यवीरतीर्थस्तुतिः



आदिघट्टाञ्जनेयस्य मूलरामस्य चार्थकम् ।  
धर्मसंस्थापनासक्तं सत्यवीरमहं भजे ॥ १ ॥

मारिकावारकं राज्ञे सत्सन्तानप्रदं मुदा ।  
स्वाराज्यस्थापकं तमयकभूषणकारकम् ॥ २ ॥

स्वतृपं वादिराजस्य बोधयन्तं निजान् प्रति ।  
निरस्तभृत्यसमयान् शासयन्तं छिताय वै ॥ ३ ॥

विद्वत्सत्त्वाद्यैश्च विद्वत्पोषकमादरात् ।  
विद्वद्ग्रेसरं शुद्धयतिधर्मप्रपालकम् ॥ ४ ॥

सत्पराक्रमसंस्थिष्यं सत्यधीरगुरुं बुधम् ।  
सुवर्णप्राणसद्भक्तं सत्यवीरमहं भजे ॥ ५ ॥

सत्यात्मरथितां पञ्चपदीं यः पठतेऽनिशम् ।  
ज्ञानभक्तिविरक्त्यादि प्राप्नोतीह न योदरम् ॥ ६ ॥

॥ इति श्रीसत्यात्मतीर्थश्रीपादविरचिता  
श्रीसत्यवीरतीर्थस्तुतिः समाप्ता ॥

॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

---

Shri Satyaviratirtha Stutih

pdf was typeset on December 29, 2021

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

